



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक महाकृष्ण

दिनांक 19.9.2020 पृष्ठ संख्या.....2 कॉलम.....1-4

एचएयू के स्टूडेंट्स ने पोस्टर के माध्यम से दिया सोशल अवेयरनेस का मैसेज

सिटी रिपोर्टर • रंग अभियानित का बहुत ही प्यारा जरिया है। रंगों का मेल अनकहे को भी शब्द देने का काम करता है। कुछ ऐसे ही रंगों के जरए सोशल अवेयरनेस का मैसेज एचएयू के स्टूडेंट्स ने फैलाया। दरअसल, एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग स्पर्धा का आयोजन हुआ। इस महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजर्मेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों ने यह आयोजन किया।



स्पर्धा में 50 से अधिक छात्राओं ने हिस्सा लिया

कार्यक्रम की आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि पोस्टर से फस्टर एड की जानकारी दी।

इनका परफॉर्मेंस रहा सबसे खास

हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि कॉलेज की इशिका ने प्रथम, दिव्या ने द्वितीय और गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान पाया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....ज्ञानभूमि

दिनांक । १९। ९। २०२०। पृष्ठ संख्या.....५। कॉलम.....३-५।

इशिका व खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

हिसार (ब्यूगो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एचएयू के होम साइंस कॉलेज ने किया था प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा ने तृतीय स्थान हासिल किया था।

घर में रखें प्राथमिक चिकित्सा किट

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि अकसर हम घर या बाहर चोटिल हो जाते हैं और घबराकर हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। मामूली

चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं, तब भी भी इसे अपने साथ रखें। विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता और कार्यक्रम आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का विषय 'प्राथमिक उपचार के जरिये जीवन बचता है' रखा गया है। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के 50 से अधिक विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णयिक मंडल की भूमिका निभाई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....ज्ञानभूमि.....दैरेखन.....

दिनांक .19. 9. 2020 पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....6.....।

पोस्टर मेकिंग में कृषि महाविद्यालय की इशिका प्रथम

जागरण संवाददाता, हिसार :
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती
गृह विज्ञान महाविद्यालय में
विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस
पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग
प्रतियोगिता आयोजित हुई।
इसका आयोजन महाविद्यालय
के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन
विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में
कौशल विकास के विद्यार्थियों
द्वारा किया गया। गृह विज्ञान
महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा.
बिमला ढांडा ने कहा कि अक्सर
लोग घरों में या बाहर किसी
कारणवश चोटिल हो जाते हैं।
ऐसी स्थिति में वह घबराकर तुरंत
अस्पताल पहुंच जाते हैं, जबकि
मामूली चोटों और जख्मों को
प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक
किया जा सकता है।

इशिका और खुशबूने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

हिसार। हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती
गृह विज्ञान महाविद्यालय में विश्व
प्राथमिक चिकित्सा दिवस के
उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर
मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन
किया गया। गृह विज्ञान
महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ.
बिमला ढांडा ने बताया कि
हस्तानिर्मित पोस्टर मेकिंग
प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय
की इशिका ने प्रथम, दिव्या ने
द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष
की तीनीषा तीसरे स्थान पर रही।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाँड़ा बुटेसरी किल्टी
दिनांक 17.9.2020 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

एचएयू के होम साइंस कॉलेज में ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

हिसार, 18 फिल्डर (राज पराषर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ईंटिरा चढ़ान्वरी गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक विकास सेवा' के वर्षाक्षय पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के विभिन्न विभागों संस्थान प्रबंधन विभाग की इवेंग मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा

किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकृता डा. बिकाल ढोका ने कहा कि अक्सर लोग घरों में या घर से घाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ये से रिहाई में लोग घबरा जाते हैं और उत्तर देते हुए लोकोपकार घटनाएँ पूर्ण जाते हैं। उन्होंने कहा कि अपने घर में प्राथमिक विकिल्स किट का बोक्स जरूर रखें और जब कहीं लौंगी याजा पर जाएं तब भी भी

इसे अपने साथ रहें। विज्ञान विभाग डा. नंदू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम की आयोजक डा. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक विकिल्स दिवस का थीम 'प्राथमिक उपचार के लिए जीवन बचती है' रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता के सभी

महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन महाविद्यालय की साक्षात्कार प्राप्तियम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरे अंतिम कर्म का छज्ज सुभम भवदेवा स्थान, दिल्ली ने हिन्दीय व एंग्लिश विज्ञान की दूसरी प्रतिभागियों को इंग्रेजी स्थान प्रदान किया जाएगा।

को उज्जा लुरुल्लू ने प्रथम स्थान, हिन्दीय वर्ष वर्ष वाला प्रताक्ष जैन ने हिन्दीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम कर्म का छज्ज सुभम भवदेवा दूसरी प्रतिभागियों को इंग्रेजी स्थान प्रदान किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठ्यक्रम.....

दिनांक .।४.१.२०२०...पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

इशिका व खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 18 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया



गया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रतियोगिता की

डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पत्र नंबर.....
दिनांक .१४.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

सार समाचार

इशिका व खुशबू ने बनाए सुंदर पोस्टर

पत्र पत्र न्यूज़: हिसार, 18 सितम्बर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि अक्सर लोग घरों में या घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी



स्थिति में लोग घबरा जाते हैं और उपचार हेतु तुरंत हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। जबकि मामूली चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय घटना के समय प्राथमिक उपचार किट के रहने से व्यक्ति को तत्काल मदद मिल जाती है। इसी के मद्देनजर यह दिवस काफी अहम है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं तब भी भी इसे अपने साथ रखें। विभागध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का थीम 'प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बचती है' रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णयिक मंडल की भूमिका निभाई। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष की छात्रा शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिंचन पत्र.....

दिनांक 18.9.2020 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

इशिका व खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

एचएयू के होम साइंस कॉलेज में ऑनलाइन
पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का परिणाम घोषित



खुशबू पलक जैन शुभम



इशिका

स्थिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक समाधन प्रबंधन विभाग की इंवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. विमला छांडा ने कहा कि अकस्मा लोग घरों में वा घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं औ उपचार के लिए तुरंत हास्पिटल पहुंच जाते हैं। जबकि मामूली चोटों और जड़ों को प्राथमिक उपचार किट से भी शीर्क किया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी अतिय घटना के समय प्राथमिक उपचार किट के रहने में व्यक्ति को तत्काल मदद मिल जाती है। इसी के महेनवर यह दिवस काफी अद्य है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जहर रखें और जैव कहीं लंबी यात्रा पर जाएं तब भी भी इसे अपने साथ रखें।

दिव्या

विभागध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का थीम 'प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बदलते हैं' रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशाल विभाग से डॉ. जतेश ने निर्मायक मॉडल की भूमिका निभाई। हस्त निर्माता पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्र तनीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रतियोगिता की इंजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्रकोंतर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष की छात्र शुभम सच्चेदावा तृतीय स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

तनीष



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

नित्य द्वीप २०२०

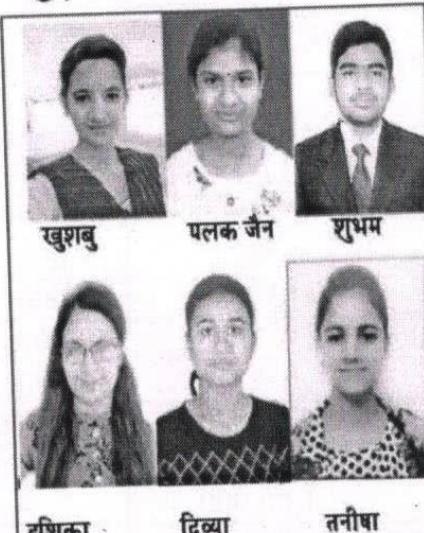
दिनांक १८.९.२०२० पृष्ठ संख्या कॉलम

इशिका व खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

एचएयू के होम साइंस कॉलेज में ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कहा कि अक्सर लोग घरों में या घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं। और उपचार हेतु तुरंत हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। जबकि मामूली चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय



घटना के समय प्राथमिक उपचार किट के रहने से व्यक्ति को तत्काल मदद मिल जाती है। इसी के मद्देनजर यह दिवस काफी अहम है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहाँ लंबी यात्रा पर जाएं तब भी भी इसे अपने साथ रखें।

विभागध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस

साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का थीम 'प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बचती है' रखा गया है।

50 प्रतिभागियों ने भाग लिया

उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। हस्त निर्भित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... ज्ञानभूमि.....

दिनांक 18.9.2020 पृष्ठ संख्या 1 कॉलम 1

हकृति : पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में इशिका व खुशबू प्रथम

हिसार/18 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस के उपलक्ष्य पर पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार

प्रतियोगिता की डिजिटल ट्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि अक्सर लोग घरों में या घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं और उपचार हेतु तुरंत हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं।

जबकि मामूली चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय घटना के समय प्राथमिक उपचार किट के रहने से व्यक्ति को तत्काल मदद मिल जाती है। इसी के मद्देनजर यह दिवस काफी अहम है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं तब भी इसे अपने साथ रखें। विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का थीम प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बचता है, है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णयक मंडल की भूमिका निभाई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाँच बजे.....

दिनांक 18.9.2020 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

इतिका व खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसे महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इंवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि अक्सर लोग घरों में या घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं और उपचार के लिए तुरंत हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं जबकि मामूली चोटों और जखमों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय घटना के समय प्राथमिक उपचार किट के रहने से व्यक्ति को तत्काल मदद मिल जाती है। इसी के महेनजर यह दिवस काफी अहम है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं तब भी भी इसे अपने साथ रखें। विभागध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का थीम 'प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बचती है' रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता

में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सभू २ प्रौद्योगिकी.....

दिनांक .18.9.2020. पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

प्रतियोगिता में इशिका व खुशबू ने बनाए सबसे सुंदर पोस्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इंवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि अकसर लोग घरों में या घर से बाहर किसी कारणवश चोटिल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं और उपचार हेतु तुरंत हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। जबकि मामूली चोटों और जख्मों को प्राथमिक उपचार किट से भी ठीक किया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय घटना के समय प्राथमिक उपचार किट के रहने से व्यक्ति को तत्काल मदद मिल जाती है। इसी के मद्देनजर यह दिवस काफी अहम है। अपने घर में प्राथमिक चिकित्सा किट का बॉक्स जरूर रखें और जब कहीं लंबी यात्रा पर जाएं तब भी भी इसे अपने साथ रखें। विभागध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने सभी प्रतिभागियों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि इस साल का विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस का थीम 'प्राथमिक उपचार के जरिए जीवन बचती है' रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग के लिए समाजशास्त्र विभाग से डॉ. जतेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। हस्त निर्मित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इशिका ने प्रथम स्थान, दिव्या ने द्वितीय व गृह विज्ञान की द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रतियोगिता की डिजिटल श्रेणी में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्नातकोत्तर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक जैन ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष का छात्र शुभम सचदेवा तृतीय स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

५८३८८८

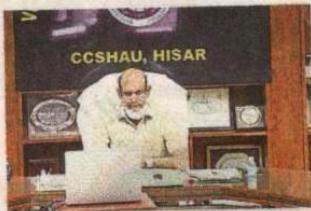
समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक ११. ७. २०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ५-४

हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा देश : प्रो. समर

पंचनंद शोध संस्थान की ई-गोष्ठी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के वीसी ने रखे विचार

भास्कर न्यूज़ हिसार



अध्यक्षीय भाषण देते एचएयू के
कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

भारतवर्ष प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश की अटोमोबाइल कंपनियां भी चीन जैसे देश से आयात किए जाने वाले सामान का विकल्प तलाश रही हैं। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने रखे। वे पंचनंद शोध संस्थान की ओर से आयोजित ई-गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में भाषण के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किए गए थे। ई-गोष्ठी का विषय 'भारत और चीन में आर्थिक युद्ध' चुना गया था।

प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी खिलौना कंपनियों का दबदबा खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में देश का पहला खिलौना क्लस्टर बनाने के लिए ऑल इंडिया टॉय एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ सरकार से बातचीत पूरी हो चुकी है। एक अंकड़े के अनुसार

इधर, एचएयू में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का हुआ शुभारम्भ

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत शनिवार को अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें केन्या, युएसए के वैज्ञानिकों ने भी विचार रखे। वेबिनार में एचएयू के कुलपति प्रो समर सिंह ने कोरोना काल में खानपान के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही अन्य वैज्ञानिकों के सवालों के भी जवाब दिए। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष 1 से 7 सितम्बर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस बार इस सप्ताह को पूरे महीने मनाया जाएगा। कार्यक्रम में हरियाणा ब्यूरो ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजिस के चेयरमैन डॉ. कमल गुप्ता मुख्यातिथि रहे जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्य संरक्षक।

पर काम चल रहा है। इस गोष्ठी के दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों को लेकर केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न सकारात्मक पहलुओं पर विस्तारपूर्वक विचार रखे।

ई-गोष्ठी में हरियाणा तकनीकी शिक्षा के निदेशक डॉ. बी.के. कुठियाला, सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. के.सी. अरोड़ा, हरियाणा विद्यालय

शिक्षा बोर्ड के डॉ. जगबीर सिंह, डॉ. एस.सी. गोयल, डॉ. रविंद्र सिंह छिल्लो, डॉ. हरिदत कौशिक, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, श्री श्याम सुंदर शर्मा, गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्रो. एन.के. बिश्नोई व डॉ. मोहित भी शामिल रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जमात उजाला

दिनांक 20. 9. 2020 पृष्ठ संख्या.....! कॉलम.....!

mycity

न्यूज कैप्सूल

हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है देश : प्रो. समर सिंह हिसार। हमारा देश प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां भी चीन जैसे देश से आयात किए जाने वाले सामान का विकल्प तलाश रही हैं। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने पंचनंद शोध संस्थान की ओर से आयोजित ई-गोष्टी में कही। ई-गोष्टी का विषय 'भारत और चीन में आर्थिक युद्ध' रहा। प्रो. समर सिंह ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी खिलौना कंपनियों का दबदबा खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी प्रयास कर रही हैं। राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में देश का पहला खिलौना क्लस्टर बनाने के लिए ऑल इंडिया टॉय एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ सरकार से बातचीत परी हो चुकी है। मौजूदा समय में घरेलू खिलौना बाजार 10 हजार करोड़ रुपये का है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

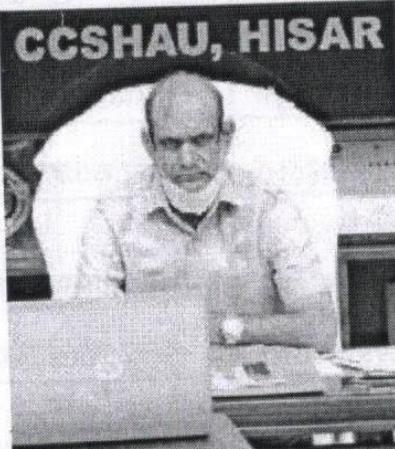
समाचार पत्र का नाम.....प्र० २५४५.३१

दिनांक २०. ९. २०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

हरियाणा सरकार ने देश का पहला खिलौना बलस्टर बनाने के लिए टॉय कम्पनियों से शुरू की बातचीत

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 20 सितम्बर : हमारा भारतवर्ष प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां भी चीन जैसे देश से आयात किए जाने वाले सामान का विकल्प तलाश रही हैं। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे पंचनंद शोध संस्थान की ओर से आयोजित ई-गोष्टी में अध्यक्षीय भाषण के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किए गए थे। ई-गोष्टी का विषय 'भारत और चीन में अर्थिक युद्ध' चुना गया था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी खिलौना कंपनियों का दबदबा खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में देश का पहला खिलौना बलस्टर बनाने के लिए ऑल इंडिया टॉय एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ



सरकार से बातचीत पूरी हो चुकी है। एक आंकड़े के अनुसार मौजूदा समय में घरेलू खिलौना बाजार 10 हजार करोड़ रुपए का है। प्रदेश सरकार की योजना है कि इसे अगले पांच वर्ष में 20 हजार करोड़ रुपए का किया जा सके। इस तरह की पॉलिसी की ड्रॉफिटिंग हो, जिससे उत्पादन व खपत दोनों की योजना पर एक साथ काम किया जाए। साथ ही प्रदेश सरकार की 'ई टॉय मैन्युफॉरिंग पॉलिसी' में लैंड रिबेट, कैपिटल सब्सिडी, सौ फीसद स्टांप

इयूटी पर छूट, लोन सब्सिडी, प्लांट एंड मशीनरी में सब्सिडी, आयकर व जीएसटी में छूट, बिजली फिक्स चार्ज जैसे तमाम लाभ को शामिल करने के साथ-साथ टॉय डिजाइन एंड रिसर्च डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की योजना पर काम चल रहा है। इस गोष्टी के दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों को लेकर केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न सकारात्मक पहलुओं पर विस्तारपूर्वक विचार रखे। ई-गोष्टी में हरियाणा तकनीकी शिक्षा के निदेशक डॉ. बी.के. कुठियाला, सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. के.सी. अरोड़ा, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के डॉ. जगबीर सिंह, डॉ. एस.सी. गोयल, डॉ. रविंद्र सिंह ढिलो, डॉ. हरिदत्त कौशिक, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, श्री श्याम सुंदर शर्मा, गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्रो. एन.के. बिश्नोई व डॉ. मोहित भी शामिल थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

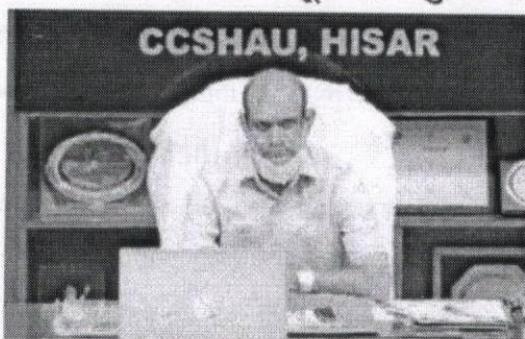
दैली ट्रैडिंग

दिनांक २०. ९. २०२० पृष्ठ संख्या कॉलम

हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है देश : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज़

हिसार, हमारा भारतवर्ष प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां भी चीन जैसे देश से आयात किए जाने वाले सामान का विकल्प तलाश रही हैं। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे पंचनंद शोध संस्थान की ओर से आयोजित ई-गोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण के लिए विशेष रूप से आमंत्रित



प ह ल ।

खिलौना व लस्टर
बनाने के

लिए ऑल इंडिया टॉय एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ सरकार से बातचीत पूरी हो चुकी है। एक आंकड़े के अनुसार

**पंचनंद शोध
संस्थान की ई-
गोष्ठी में रखे विचार**

मौजूदा समय में घरेलू खिलौना बाजार 10 हजार करोड़ रुपये का है। प्रदेश सरकार की योजना है कि इसे अगले पांच वर्ष में 20 हजार करोड़ रुपये का

किए गए थे। ई-गोष्ठी का विषय 'भारत और चीन में आर्थिक युद्ध' चुना गया था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी खिलौना कंपनियों का दबदबा खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में देश का

किया जा सके। इस तरह की पॉलिसी की ड्रॉफिटिंग हो, जिससे उत्पादन व खपत दोनों की योजना पर एक साथ काम किया जाए। साथ ही प्रदेश सरकार की 'नई टॉय मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी' में लैंड रिबेट, कैपिटल सब्सिडी, सौ फीसद स्टांप ड्यूटी पर छूट, लोन सब्सिडी आदि।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... संघ मूल

दिनांक ११.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

पंचनंद शोध संस्थान की ई-गोष्ठी में रखे विचार

हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है देश : प्रोफेसर समर सिंह

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। हमारा भारतवर्ष प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां भी चीन जैसे देश से आयात किए जाने वाले सामान का विकल्प तलाश रही हैं। उक्त विचार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे पंचनंद शोध संस्थान की ओर से आयोजित ई-गोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किए गए थे।

ई-गोष्ठी का विषय 'भारत और चीन में आर्थिक युद्ध' चुना गया था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी खिलौना कंपनियों का दबदबा खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में देश का पहला खिलौना क्लस्टर बनाने के लिए ऑल इंडिया टॉय एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ सरकार से बातचीत पूरी हो चुकी है। एक आंकड़े के अनुसार मौजूदा समय में घरेलू खिलौना बाजार 10 हजार करोड़ रुपये का है। प्रदेश सरकार की योजना है कि इसे अगले पांच वर्ष में 20 हजार करोड़ रुपये का किया जा सके। इस तरह की

पॉलिसी की ड्रॉफिटिंग हो, जिससे उत्पादन व खपत दोनों की योजन पर एक साथ काम किया जाए। साथ ही प्रदेश सरकार की 'नई टॉर्मैन्यूफैक्रिंग पॉलिसी' में लैंडरिबेट कैपिटल सब्सिडी, सौ फीसद स्टांड्यूटी पर छूट, लोन सब्सिडी, प्लांट एंड मशीनरी में सब्सिडी, आयकर टौजीएसटी में छूट, बिजली फिक्स चार्ज जैसे तमाम लाभ को शामिल करने के साथ-साथ टॉय डिजाइन एंड रिसर्च डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की योजना पर काम चल रहा है। इस गोष्ठी के दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों को लेकर केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न सकारात्मक पहलुओं पर विस्तारपूर्वक विचार रखे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

समर्पण

दिनांक .२०.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

हट क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है देशः प्रो. समर सिंह

हिसार। हमारा भारतवर्ष प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां भी चीन जैसे देश से आयात किए जाने वाले सामान का विकल्प तलाश रही हैं। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे पञ्चनंद शोध संस्थान की ओर से आयोजित ई-गोष्टि में अध्यक्षीय भाषण के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किए गए थे।

ई-गोष्टि का विषय 'भारत और चीन में आर्थिक युद्ध' चुना गया था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी खिलौना कंपनियों का दबदबा खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार भी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में देश का पहला खिलौना

बलस्टर बनाने के लिए ऑल इंडिया टॉय एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ सरकार से बातचीत पूरी हो चुकी है। एक आंकड़े के अनुसार मौजूदा समय में घरेलू खिलौना बाजार 10 हजार करोड़ रुपए का है। प्रदेश सरकार की योजना है कि इसे अगले पांच वर्ष में 20 हजार करोड़ रुपए का किया जा सके। इस तरह की पॉलिसी को ड्रॉफिट गोष्टि हो, जिससे उत्पादन व खपत दोनों की योजना पर एक साथ काम किया जाए।

साथ ही प्रदेश सरकार की 'नई टॉय मैन्युफूरिंग पॉलिसी' में लैंड रिबेट, कैपिटल सब्सिडी, सौ फीसद स्टांप इयूटी पर छूट, लोन सब्सिडी, प्लांट एंड मशीनरी में सब्सिडी, आयकर व जीएसटी में छूट, बिजली फिल्स चार्ज जैसे तमाम

लाभ को शामिल करने के साथ-साथ टॉय डिजाइन एंड रिसर्च डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की योजना पर काम चल रहा है। इस गोष्टि के दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों को लेकर केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न सकारात्मक पहलुओं पर विस्तारपूर्वक विचार रखे। ई-गोष्टि में हरियाणा तकनीकी शिक्षा के निदेशक डॉ. बी.के. कुठियाला, सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. के.सी. अरोड़ा, हरियाणा विश्वविद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह, डॉ. एस.सी. गोबल, डॉ. गविंद सिंह ढिलो, डॉ. हरिदत्त कौशिक, कूलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, श्याम सुदर शर्मा, गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्रो. एन.के. विश्नोई व डॉ. मोहित भी शामिल थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

मैट्रिकुले
ले मासिक

दिनांक 20. 9. 2020 पृष्ठ संख्या..... 3 कॉलम..... 1-2

हिसार : एप्पएयू ने बीएससी एग्रीकल्पर की चार वर्षीय कोर्स की तिथि बढ़ाई

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों तथ उनके अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए लिया है। ऐसे में जिस अध्यर्थी बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं किया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर तथा फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 24 नवंबर है। विवि कुलसचिव डॉक्टर बीआर कंबोज ने छात्रों से आह्वान किया है कि वह दाखिला संबंधी अन्य जानकारियां विवि की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।

■ आवेदन की अंतिम तिथि 23 सितंबर तथा फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 24 नवंबर है। विवि कुलसचिव डॉक्टर बीआर कंबोज ने छात्रों से आह्वान किया है कि वह दाखिला संबंधी अन्य जानकारियां विवि की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
भास्कर भास्कर

दिनांक २०. १. २०२० पृष्ठ संख्या ५ कॉलम ५

एचएयू ने आवेदन तिथि २३ सितंबर तक बढ़ाई

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने बीएससी ऑनर्स ४ वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। २३ सितंबर तक आवेदन फार्म जमा किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए लिया है। अब बढ़ी हुई तिथि के अनुसार कोई भी उम्मीदवार जिसने बीएससी ऑनर्स ४ वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं किया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा से आवेदन करने की जरूरत नहीं है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि २३ सितंबर है।

फीस जमा कराने की अंतिम तिथि २४ नवंबर है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर बीआर कंबोज ने बताया कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक दखिला संबंधी अन्य नई जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दैनिक भास्कर

दिनांक २०.१.२०२० पृष्ठ संख्या.....२..... कॉलम.....४.....

एचएयू में ऑनलाइन प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकेंगे स्टूडेंट्स

हिसार। एचएयू में पढ़ने वाले छात्रों के लिए एक और खुशखबरी है। अब एचएयू प्रमाण पत्रों को लेकर भी डिजिटलाइज हो गया है। इसमें छात्रों को मार्कशीट और डिग्री के साथ साथ अब ट्रांसक्रिप्ट लेने के लिए कैपस आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इनका विवि की साइट पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। तत्काल फीस जमा कराकर प्राप्त किया जा सकेगा। विवि प्रशासन ने कोरोना वायरस से बचाव के महेनजर यह निर्णय लिया है। हालांकि विवि प्रशासन पिछले काफी समय से इसके लिए प्रयासरत था। डिग्री बनवाने के लिए अंतिम वर्ष की मार्कशीट, आईडी प्रूफ आधार कार्ड, मार्कशीट नाम संसोधन के लिए हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की मार्कशीट विवि से प्राप्त मार्कशीट, आईडी प्रूफ अपलोड करना होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पत्र के सारी

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक .२६.९.२०२० पृष्ठ संख्या.....। कॉलम.....।

एच.ए.यू. ने बी.एस.सी. एग्रीकल्चर में 4 वर्षीय कोर्स की अंतिम तिथि बढ़ाई

हिसार, 19 सितम्बर (ब्यूरो):
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय हिसार ने बी.एस.सी.
ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए
आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा
दिया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह
फैसला कोरोना महामारी के चलते
विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों
की परेशानी को देखते हुए लिया
है। अब बढ़ी हुई तिथि के अनुसार
कोई भी उम्मीदवार जिसने
बी.एस.सी. ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स
के लिए आवेदन नहीं किया था,
वह नए सिरे से आवेदन कर सकता
है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन
कर रखा है, उन्हें दोबारा से आवेदन
करने की जरूरत नहीं है। इसकी
अंतिम तिथि 23 सितम्बर 2020 है।
फीस जमा कराने की अंतिम तिथि
24 नवम्बर 2020 है। विश्वविद्यालय
के कुलसचिव डॉक्टर बी.आर.
कंबोज ने बताया कि विद्यार्थी और
उनके अभिभावक दाखिला संबंधी
अन्य नई जानकारियों के लिए
विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर
निरंतर चैक करते रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

ट्रैलो ट्रिप 2

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 19.9.2020 पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू ने बीएससी एग्रीकल्चर की 4 वर्षीय कोर्स की अंतिम तिथि बढ़ाई

हिसार, 19 सितम्बर ।। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए लिया है। अब बड़ी हुई तिथि के अनुसार कोई भी उम्मीदवार जिसने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं किया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा से आवेदन करने की जरूरत नहीं है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर 2020 है। फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 24 नवंबर 2020 है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर बीआर कंबोज ने बताया कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक दाखिला संबंधी अन्य नई जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठ्यक्रम

दिनांक । ९. ९. २०२० पृष्ठ संख्या कॉलम

एचएयू ने बढ़ाई बीएससी एग्रीकल्चर की 4 वर्षीय कोर्स की अंतिम तिथि

पाठ्यक्रम न्यूज, हिसार, 19 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए लिया है। अब बढ़ी हुई तिथि के अनुसार कोई भी उम्मीदवार जिसने बीएससी ऑनर्स 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं किया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा से आवेदन करने की जरूरत नहीं है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर 2020 है। फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 24 नवंबर 2020 है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर बीआर कंबोज ने बताया कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक दाखिला संबंधी अन्य नई जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य रीप २०२१.....
दिनांक 19.9.2021 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

हक्कि ने बीएससी एग्रीकल्चर की 4 वर्षीय कोर्स की अंतिम तिथि 23 तक बढ़ाई

हिसार (नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने बीएससी अंनसू 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला कोरोना महामारी के बलते विद्यार्थियों के उनके अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए लिया है। अब जहाँ तुर्द तिथि के अनुसार कोई भी उम्मीदवाएँ जिसने बीएससी अंनसू 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं किया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवाओं ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा से आवेदन करने की अनुमति नहीं है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर 2020 है। फैसला जागा करने की अंतिम तिथि 24 नवंबर 2020 है।

विश्वविद्यालय के कूलसचिव डॉबटर वीआर कंबोज ने बताया कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक हायिता मंचनी अन्य नई जागकारियों के लिए विश्वविद्यालय को बेबमाइट पर निरंतर बेक करते रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पांच बजे

दिनांक 19.9.2020 पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

एचएयू ने बीएससी एग्रीकल्चर की 4 वर्षीय कोर्स की अंतिम तिथि बढ़ाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय इसार ने बीएससी ऑनसर्ट 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने वह फैसला कोर्सों महामारी के चलते विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को फोड़नी को देखते हुए लिया है। अब वहाँ हुई तिथि के अनुसार कोई भी उम्मीदवार जिसने बीएससी ऑनसर्ट 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन नहीं लिया था, वह नए सिरे से आवेदन कर सकता है। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा से आवेदन करने को जरूरत नहीं है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर 2020 है। फोड़ जमा करने की अंतिम तिथि 24 नवंबर 2020 है। विश्वविद्यालय के कलासचिव डॉम्टर बीआर कंबोज ने बताया कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक दाखिला संबंधी अन्य नई जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की बेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दैनिक मासिक

दिनांक ११.१.२०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... १-३

एचएयू में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

इम्युनिटी बूस्टिंग के लिए मोटे अनाज व हरी-सब्जियों का ज्यादा करें प्रयोग



स्टी रिपोर्टर • वर्तमान समय में अनेक गर्भवती महिलाएं और बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी रुकती है। ऐसे में कुपोषण और एनीमिया चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन और जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। यह विचार विधायक कमल गुप्ता ने एचएयू में आयोजित हुए एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में व्यक्त किए। उन्होंने अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने भोजन में मोटे अनाज, हरी-सब्जियों और सूक्ष्म तत्वों से भरपूर अन्न का सेवन करना चाहिए। शास्त्रों में भी कहा गया है कि जैसा अन्न वैसा मन।

स्मार्टफोन की मदद से पता चलेगा भोजन में कितने हैं लौह तत्व

वेबिनार में व्याख्यान देते हुए यू.एस.ए. की फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग के डॉ. जुआन एंड्रेड ने कहा कि उन्होंने ऐसी तकनीक को विकसित किया है, जिसमें स्मार्टफोन की मदद से भोजन में मौजूद लौह तत्वों की मात्रा का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

मोटापा और सूक्ष्म तत्वों की कमी से जूझ रहा देश

एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी तरफ उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए भोजन में फल-सब्जियां, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शरीर में जिंक, लौह तत्व, विटामिन-ए आदि की कमी शरीर में तकाल नजर नहीं आती। इसके लक्षण बहुत लंबे समय बाद दिखाई देते हैं, जिसे हिंदू नंगर यानि छिपी हुई भूख के नाम से जाना जाता है।

700 प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण

एचएयू होम साइंस कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने पोषण माह के तहत करवाई जा रही गतिविधियों के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग को बधाई दी। इस वेबिनार के लिए देश व विदेश से करीब 700 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण करवाया गया। कार्यक्रम में विभाग की ओर से डॉ. वीन सांगवान, डॉ. उर्वशी नांदल, डॉ. वर्षा रानी का विशेष सहयोग रहा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

दोनों ५-६। १२०१

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक .२१. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ३-६

स्मार्ट फोन से जांच सकते भोजन की पौष्टिकता

जागरण संवाददाता, हिसार :
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित हुआ। इसमें विद्यायक डा. कमल गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिकारी डा. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईटीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। वेबिनार में यूएसए की फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग के डा. जुआन अंड्रादे ने कहा कि उन्होंने ऐसी तकनीक को विकसित किया है, जिसमें स्मार्टफोन की मदद से भोजन में मौजूद लौह तत्वों की मात्रा का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

दरअसल कई बार कई प्रोडक्ट के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचने पर लौह तत्वों में कमी आ जाती है या कंपनी अधिक लौह तत्व डालने का दावा करती है तो लोग इस टेस्ट से आसानी से लौह तत्व की मात्रा पता कर सकती है। इसमें एक विशेष प्रकार का पेपर दिया जाता है पेपर पर वह फूड डालना होता है इसके बाद उस पेपर पर जो परिणाम आए उसे मोबाइल एप से स्कैन करना है। स्कैन के बाद मोबाइल एप दिखाए देती। जबकि सामान्य तौर पर लैब में एक बड़ी रासायनिक प्रक्रिया के बाद लौह तत्वों का पता लगा जाता है।



वेबिनार के दौरान व्याख्यान देते मुख्यातिथि विद्यायक कमल गुप्ता, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। ● पीआरओ

जनआंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है

कृपोषण : कमल गुप्ता

विद्यायक डा. कमल गुप्ता ने कहा कि कृपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय है। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने कार्यक्रम मन की बात में कहा था कि वह देश को कृपोषण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने इस बारे में संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में अनेकों गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी रुकती है।

मोटापा के साथ-साथ सूक्ष्म तत्वों की कमी से जूझ रहा है देश : प्रो समर सिंह

कुलपति प्रो समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी ओर उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए हमें अपने भोजन में फल-सब्जियां, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्रेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा की आजकल लोग अपने भोजन में पौष्टिक भोजन की अपेक्षा मैदा से बनी चीजें व तली हुई चीजों को फारस्ट फूड के नाम पर खा रहे हैं। इससे पेट तो भर जाता है, लेकिन शरीर में आवश्यक तत्वों की पूर्ति नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि शरीर में जिंक, लौह तत्व, विटामिन-ए आदि की कमी शरीर में तत्काल नजर नहीं आती। इसके लक्षण बहुत लंबे समय बाद दिखाई देते हैं, जिसे हिंडन हंगर यानि छिपी हुई भूख के नाम से जाना जाता है। देश में अनाज की कोई कमी नहीं है, किंतु लोगों द्वारा उसका चयन गलत तरीके से हो रहा है। सचिव एवं मैडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की महानिदेशक अमनीत पी. कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा एनीमिया को लेकर खास योजनाएं चलाई जा रही हैं। लोगों को एनीमिया के बारे में जागरूक भी किया जा रहा है। सरकार कृपोषण व एनीमिया की समस्या के निदान के लिए प्रयासरत है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पंजाब कैरियरी

दिनांक .२१.९.२०२० पृष्ठ संख्या.....३ कॉलम.....।-४

जनांदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : कमल गुप्ता

**■ एच.ए.यू.नेशनलीय पोषण
माह के तहत अंतर्राष्ट्रीय
वैबिनार आयोजित**

हिसार, 20 सितम्बर (ब्यूरो): कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। ये विचार स्थानीय विधायक कमल गुप्ता ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन वैबिनार में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वैबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आई.डी.पी. प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेक गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि



वैबिनार के दौरान व्याख्यान देते कमल गुप्ता, कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य।

प्रतिवर्ष सितम्बर माह में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री के आह्वान पर देशभर में इसे राष्ट्रीय पोषण माह

के रूप में मनाया जा रहा है।

इस वैबिनार को गूगल मीट के अलावा यू-ट्यूब पर भी आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में विभाग

की ओर से डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. उर्वशी नांदल, डॉ. वर्षा रानी का विशेष सहयोग रहा। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जनभूमि
दिनांक 21.9.2020 पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-5.....

जन आंदोलन व भागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : गुप्ता

हिसार (ब्यूरो)। कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन व जन भागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। यह बात विधायक डॉ. कमल गुप्ता ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में कही। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष सितंबर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्वान पर देशभर में इसे राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि विवि में भी फोटोफाइड किसी को विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी

भोजन में फल-सब्जियाँ, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। अधिक इस्तेमाल करें

ओर उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए हमें अपने भोजन में फल-सब्जियाँ, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग के डॉ. जुआन एंड्रेड ने कहा कि उन्होंने ऐसी तकनीक विकसित की है, जिसमें स्मार्ट फोन की मदद से भोजन में मौजूद लौह तत्वों की मात्रा का पता लगाया जा सकता है। हरियाणा सरकार की सचिव अमनीत पी कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार एनीमिया को लेकर खास योजनाएं चला रही हैं। केन्या से पोषण विशेषज्ञ कैथरीन मैकारिया-मूटी ने वैश्वक स्तर पर बच्चों में अत्य पोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म, किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं आदि में खून की कमी को दूर करने जैसी समस्याओं के प्रति अपने विचार व्यक्त किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..

दिनांक २६. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतरराष्ट्रीय वैबिनार आयोजित, यूएसए व केन्या के विशेषज्ञों ने भी दिए व्याख्यान

जनआंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : डॉ. कमल गुप्ता

टुडे न्यूज़ | हिमाचल

कुण्डपण ये एसीमिया देश के लिए चिता
वा विषय हैं। इन्हें केवल जन अदोलेन
य जनपालीदारी से ही मिटाया जा सकता
है। ये विचार मानवीय विश्वासक कमल
गुरुता जी ने व्यक्त किए। वे औपरी
चरण सिंह हार्याण्डा कुपि विश्वविद्यालय
में गार्गीय पोषण माह के तहत एक
अंतरराष्ट्रीय अन्तर्राजन विचार
मंच पर मध्यस्थिति बोल रहे थे। इन्होंना
चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिकारी डॉ.
बिमला ढांडा ने बताया कि इस
विचारका आयोजन गार्गीय कुपि उच्च
शिक्षा पारियोजना के आइडीपी प्रोजेक्ट के
संरचनाएँ से महाविद्यालय के साथा एक
पूर्ण विचारपत्र तथा आयोजन लिया गया।

मुख्यालयिते ने कहा कि देश के मानविक प्रश्नोंमें श्री नंदेश मोदी जी ने भी अपने कार्यक्रम 'मन की आत' में कहा था कि वे देश को कुण्डलगंग मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीयों पर ध्यान भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि योगमान समय से अंतर्कीन महिलाओं व बच्चे एवं महिलाएँ और युवकों प्रोफेक्ट तत्वों को कमी से जु़रू हैं। इससे उन्होंने कार्य क्षमता पर विवरण असर पड़ा है और समाज को प्राप्ति भी रूपकरती है। उन्होंने कि परिवर्त्य सिस्टम पर महान गिरावंश समाज मनवी जाति को



योगियों के फैलाव व्याख्यान देते मुख्यतावन्धि कलात्मक सुरक्षा, कुत्तपति प्रौद्योगिक तंत्र इत्य व अन्य मोटापा के साथ-साथ सूक्ष्म तत्वों एवं कमी से जूँड़ा रहा है देश

लेकिन इस बार प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर देशभर में इन्हे गद्दी पोषण यात्रा की रूप से मनवा जा रहा है। उन्होंने अप्रैल की तिथि पर लग्जिट व्यक्ति को अपने लिए घोटाला में घोटे अवाज, हारी-संक्षियों और सूखे तत्वों से भरपूर अन का सेवन करना चाहिए। शास्त्री अभी कहा यथा भी नियम और अन्य वैज्ञानिक विधि द्वारा सुनियमी हो जाएगा।

स्मार्टफोन की मदद से पता चल जाएंगे भेजन में लौह तत्व

ऐनिल में जहाजबाट देखे दूसरे दूसरे एवं अलग-अलग फैसिलिटेशन्स के साथ बिल्डिंग या मानव पोषण विभाग के द्वां जुआन औंडेंग के बाहर छोड़ देते हैं। लॉकडाउन की विवरिति दिया है, जिसमें सार्वजनिक की सरकार द्वारा नियंत्रित होने वाली सेवाएँ दौड़ा लौटा रखी जानी चाही एवं अपनी से पास आने वाली जाति का लकड़ा है। इनका उद्देश्य सामग्री लेना यी कर रखते हैं। हाईटेक टक्करों की सहित एवं ऐनिलवाल विभाग यी नवायीजेवाला अमरीका पी. कूलर्स द्वारा कहा जाता है कि प्रत्येक संस्कारण द्वारा एक्स्प्रेस यां तेक्के लॉकडाउन घोषित कर दिया जाता है। जैसी की विवरिति के बारे

300 प्रतिशतों ते गुग्गा गंजीगुग्गा

700 प्रातानाग्रवा न कराया प्रजाकरण
महाविद्यालय की अधिकारिता द्वा० बिसठ दृष्टि वे प्रपत्त नह के तहत करवाई ज रही गतिविधियों के लिए वायर एक प्रापत्ति दिखाना करे चाहई है। उसले कहा कि दुनिये तरकारी करने के बाबजूद भैं में त्रुप्रेषण की स्तरवाया बहुत ही घटित जात है। वायर एक प्रपत्ति दिखाना की अवकाश द्वा० सोनेत धारणा विद्या ने बताया कि इस विदेशीकरण के लिए देश व विदेश ते करीबी ७०-८०% पर्याप्त प्रतिक्रिया करकरा जाए। इस विदेशीकरण को गुणवत्ता के अवकाश ७०-८०% पर्याप्त प्रतिक्रिया करकरा जाए। कार्रवाकम में दिखाना की ओर जे डॉ० वीन संतोषाला, डॉ० उर्मिल लक्ष्मण, डॉ० एर्ड राजी का दिखाना महत्वात् रहा। सभी प्रतिक्रियाएं की प्र-प्रपत्ति पर यह उत्तरों।

को चारितार्थ करते हुए भोजन करना चाहिए। अनुच्छेदन निराकार दाँड़, एस.के. सहायता ने मुख्यमंत्री व सभी वक्ताओं और प्रतिभागी का समान विद्युत दिशा में काम चल रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

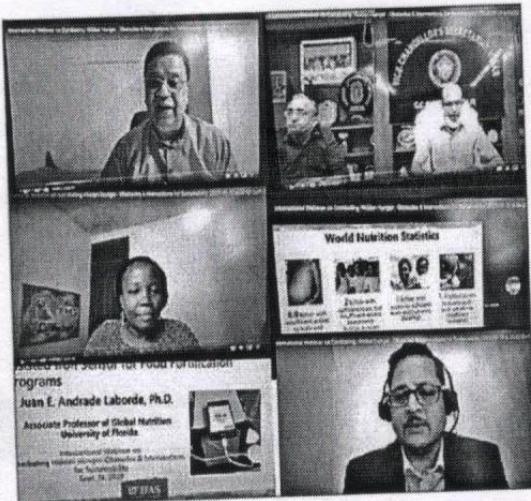
—पांच बजे—

दिनांक २०. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित, यू.एस.ए.व केन्या के विशेषज्ञों ने भी दिए व्याख्यान
जनआंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : डा. गुप्ता

पांच को व्याप

हिसार। कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय है। इन्हें केवल जन औद्योगिक व जनभागीदारी से ही प्रभाव जा सकता है। ये विचार मनवीय विशेषज्ञ की कमत्री गुप्त जो ने अक्सर विज्ञान के घोरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत एक अंतर्राष्ट्रीय अन्वेषण वेबिनार में अतीत मुख्यालिपि बोल रहे थे। इन्होंने चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिकारियाँ डॉ. विमला दाढ़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोग राष्ट्रीय प्रोजेक्ट क्रिया परियोजना की अधिकारी डॉ. विमला दाढ़ा ने बताया कि इस वेबिनार के माध्यम से महाविद्यालय के छात्र एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। मुख्यालिपि ने कहा कि देश के मानवीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी अपनी कार्यपाल पर्म की जाति में कहा था कि वे देश के कुपोषण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इन्हें लिए अनेक वोजानों पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेकों पर्यावरी महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जुड़ रही हैं। इन्हें उन्होंने कार्य सम्पादन पर विपरीत असं पड़ता है और समाज की प्रतीत भी रुकती है। उन्होंने कहा कि प्रतीतवर्ष दिवसम् माह में राष्ट्रीय पोषण साल का नाम जाता है, लेकिन इस वर्ष प्रधानमंत्री जी के आलाने पर देशम् में इस राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में समाचार जा रहा है। उन्होंने अपील की कि प्रायोक व्यक्ति को



अपने भोजन में मोटे अनाज, हीं-सफ्टिज्यों

और सूक्ष्म तत्वों से भरपूर अन का सेवन करना चाहिए। साथी में भोजन करना यहा कि जैव अन मना। इसलिए हीं-सफ्टिकॉड किसी को विकसित करने की दिशा में काम चल सकता है।

मटापा के साथ-साथ सूक्ष्म तत्वों की कमी से जुड़ रहा है देश : प्रा. समर सिंह विश्वविद्यालय के कृष्णपति प्रा. समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में अर्थ व्यापार की

बढ़ताव व चलाएं देश में लोग मोटेज की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी ओर उन्हें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो रही है। इसलिए उन्होंने भोजन में फल-सफ्टिज्यों, फलबर युक्त भोजन का अधिक व अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा की आजकल लोग अपने भोजन में फैटिकॉड की अपेक्षा में बड़ी बीजें व ताजी हुई बीजों को सप्लाय स्ट्रेट के नाम पर रखा रहे हैं। इससे ऐसे तो भर जाता है, लेकिन शरीर में अवश्यक तत्वों की पूर्ति नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि शरीर में जिक, सौंदर्य तत्व, विटामिन-ए आदि की कमी शरीर में तकलिल नहीं आती। इसके लिए बाहर लंबे समय यानि दिनों तुड़ी भूख के नाम से जाना जाता है। देश में अनाज की कमी कमी नहीं है, किंतु लोग द्वारा उनका चाहने गती तरीके से हो रही है।

स्पाईटीन

में लौह तत्व

वेबिनार में ज्ञातान देश हृषी-यू.एस.ए. की फैटारिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव योग्यता विभाग के डॉ. जुआन एंड्रेज ने कहा कि उन्होंने एसी तकनीक का विकास किया है, जिसमें स्टार्टेपोन की मदद से भोजन में भोजन लौह तत्वों की मात्रा को आसानी से लाता रखना जा सकता है। इसका उत्तम साधन्य लौह भी कर सकते हैं। खाद्याणा सरकार की स्वीच एवं भैंडकल विकास एवं अनुशोधन विभाग की महानियोंक अमीनीत प्रा. कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा एनीमिया को संकर खाना

मीटिंग में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में विविध स्तर पर बच्चों में अत्यं पोषण, कम वजनी बच्चों के जब विशेषी बालिकाओं, गर्भात्सी महिलाओं, स्तनपान करने वाली माताओं तथा बच्चों में खन की कमी को दू करने जैसे समाजिक और उनके समाजन को लेकर चर्चा की। 700 प्रतिभागियोंने कार्यालय पंजीकरण महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. विमला दाढ़ा ने पोषण मास के तहत करवाई जा रही गतिविधियों के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग को बढ़ाव दी। उन्होंने कहा कि इसी तरह की कार्यक्रमों के लिए देश व विदेश से करोड़ 700 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण कराया गया। इस वेबिनार को गुणवत्ता पैट के अलावा यू-ट्यूब पर भी अपोनियम किया गया था। कार्यक्रम में विभाग की ओर से डॉ. वीर साहबन, डॉ. उमरीनी जाल, डॉ. वीर जगन का विशेष सहयोग रहा। सभी प्रतिभागियों को ई-प्राप्त पत्र दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २१.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

~~सैली टिप्पणी~~

जनआंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : डा. कमल गुप्ता

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। ये विचार माननीय विधायक श्री कमल गुप्ता जी ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण

विभाग द्वारा आयोजित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी अपने कार्यक्रम



'मन की बात' में कहा था कि वे देश को कुपोषण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेकों गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं।



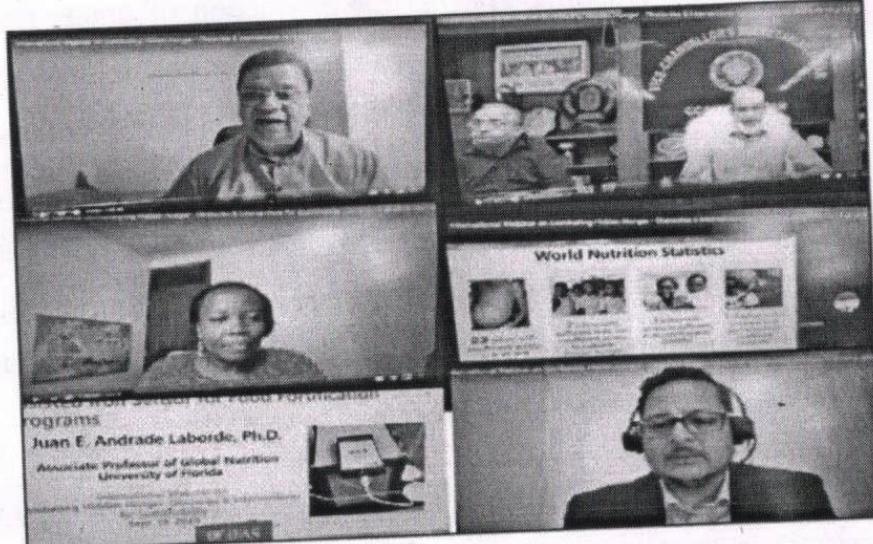
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक २५.९.२०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

जनआंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है कुपोषण : कमल गुप्ता

पल पल न्यूज़: हिसार, 20 सितंबर। कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय हैं। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही मिटाया जा सकता है। ये विचार विधायक श्री कमल गुप्ता जी ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा था कि वे देश को कुपोषण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा



कि वर्तमान समय में अनेकों गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी रुकती है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष सितंबर माह में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री जी के आहान पर देशभर में इसे राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने भोजन में मोटे अनाज, हरी-

सब्जियों और सूक्ष्म तत्वों से भरपूर अन्न का सेवन करना चाहिए। शास्त्रों में भी कहा गया है कि जैसा अन्न वैसा मन। इसलिए इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए भोजन करना चाहिए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने मुख्यातिथि व सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में भी फोर्टिफाइड किस्मों को विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... नम्बर: चौ०

दिनांक २०. ९. २०२० पृष्ठ संख्या कॉलम.....

भोजन में मोटे अनाज, हरी सब्जियों और सूक्ष्म तत्वों से भरपूर अन का सेवन करें: डॉ. गुप्ता

हिसार/20 सितंबर/रिपोर्टर

कृषोपण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय है। इन्हें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही निटाया जा सकता है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय अॅनलाइन वैविनार में बतौर मुख्यातिथि विधायक डॉ. कमल गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने कार्यक्रम मन की बात में कहा था कि वे देश को कृषोपण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेकों गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी रुकती है। उन्होंने अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने भोजन में मोटे अनाज, हरी सब्जियों और सूक्ष्म तत्वों से भरपूर अन का सेवन करना चाहिए। शास्त्रों में भी कहा गया है

कि जैसा अन वैसा मन। इसलिए इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए भोजन करना चाहिए। इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वैविनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय में भी फोर्टिफाइड किस्मों को विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी ओर उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए हमें अपने भोजन में फल, सब्जियाँ, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा की आजकल लोग अपने भोजन में पौष्टिक भोजन की अपेक्षा मैदा से बढ़ी चीजें व तली हुई चीजों को फास्ट फूड के नाम पर खा रहे हैं।

इससे पेट तो भर जाता है, लेकिन शरीर में आवश्यक तत्वों की पूर्ति नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि शरीर में जिंक, लौह तत्व, विटामिन ए आदि की कमी शरीर में तत्काल नजर नहीं आती। इसके लक्षण बहुत लंबे समय बाद दिखाई देते हैं, जिसे हिंन हंगर यानि छिपी हुई भूख के नाम से जाना जाता है। देश में अनाज की कोई कमी नहीं है, किंतु लोगों द्वारा उसका चयन गलत तरीके से हो रहा है। वैविनार में व्याख्यान देते हुए यूएसए की फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग के डॉ. जुआन एंड्रेड ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी ओर उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए हमें अपने भोजन में फल, सब्जियाँ, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा की आजकल लोग अपने भोजन में पौष्टिक भोजन की अपेक्षा मैदा से लेकर खास योजनाएं चलाई जा रही हैं। लोगों को एनीमिया के बारे में जागरूक भी किया जा रहा है।

सरकार कृपोषण व एनीमिया की समस्या के निदान के लिए प्रयासरत है। केन्या से पोषण विशेषज्ञ कैथरीन मैकारिया मूटी ने वैश्विक स्तर पर बच्चों में अल्प पोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म तथा किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा बच्चों में खून की कमी को दूर करने जैसी समस्याओं के प्रति अपने विचार व्यक्त किए और उनके समाधान को लेकर चर्चा की। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि इतनी तरकी करने के बावजूद देश में कृपोषण की समस्या बहुत ही चिंताजनक है। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि इस वैविनार के लिए देश व विदेश से करीब 700 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण करवाया गया। इस वैविनार को गुगल मीट के अलावा यूट्यूब पर भी आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में विभाग की ओर से डॉ. बीनू सांगवान, डॉ. उर्वशी नांदल, डॉ. वर्षा रानी का विशेष सहयोग रहा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

ज०१३१४१

दिनांक २१. ७. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

कार्यक्रम

एचएयू में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत हुआ अंतरराष्ट्रीय वेबिनार

‘जन आंदोलन व जन भागीदारी से गिटाया जा सकेगा कुपोषण’

■ यूएसए व केन्या के विशेषज्ञों ने भी दिए व्याख्यान

जगमार्ग न्यूज़

हिसार कुपोषण व एनीमिया देश के लिए चिंता का विषय है। इहें केवल जन आंदोलन व जनभागीदारी से ही पिटाया जा सकता है।

यह बात हिसार के विधायक कमल गुप्ता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित करते हुए कही। इंदिश चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठिता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के आईडीपी प्रोजेक्ट के सहयोग से महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण

गोटापा के साथ-साथ सूक्ष्म तत्वों की कमी से जूझ रहा है देश : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.समर सिंह ने कहा कि गत दशकों में आए खानपान के बदलाव के चलते देश में लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं। दूसरी ओर उनमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की बहुत कमी हो गई है। इसलिए हमें अपने भोजन में फल-सहित, फाइबर युक्त भोजन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा की आजकल लोग अपने भोजन में पौष्टिक भोजन की अपेक्षा मेदा से बनी चीजें व तली हुई चीजें को फास्ट फूड के नाम पर खा रहे हैं। इससे पेट तो भर जाता है, लेकिन शरीर में आवश्यक तत्वों की पूर्ति नहीं हो पाती।

विभाग द्वारा आयोजित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने कार्यक्रम ‘मन की बात’ में कहा था कि वे देश को कुपोषण मुक्त भारत के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं पर कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में

अनेकों गर्भवती महिलाएं व बच्चे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर विपरीत असर पड़ता है और समाज की प्रगति भी रुकती है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष सितंबर माह में राष्ट्रीय पोषण समाह मनाया जाता है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री

जी के आह्वान पर देशभर में इसे राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने मुख्यातिथि व सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में भी फोर्टिफाइड किस्में को विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है।

वेबिनार में व्याख्यान देते हुए यू.एस.ए. की फ्लॉरिडा विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग के डॉ. जुआन एंड्रेड ने कहा कि उन्होंने ऐसी तकनीक को विकसित किया है, जिसमें स्मार्टफोन की मदद से भोजन में मौजूद लौह तत्वों की मात्रा का आसानी से पता लगाया जा सकता है। इसका उपयोग सामान्य लोग भी कर सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

जाभूटीला

दिनांक .21.9.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-2.....

कृषि विथोषज्ज्ञ की सलाह

डॉ. कृष्ण यादव

इस माह के आखिरी सप्ताह में शुरू करे बरसीम की बिजाई

इस माह के आखिरी सप्ताह में बरसीम की बिजाई शुरू कर दें। बिजाई के लिए केवल बरसीम की सिफारिशशुदा किस्मों जैसे मैस्कावी हिसार बरसीम-1 व हिसार बरसीम-2 के शुद्ध बीजों को ही काम में लाएं। खेत को इस प्रकार तैयार करें कि मिट्टी भुरभुरी हो जाए, खरपतवार बिल्कुल न हों व खेत समतल हो। बिजाई से पहले खेत में पानी भर लें। बीज छिट्टा विधि से खेत में एकसार डालें। ध्यान रखें कि बिजाई के समय हवा न चलती हो। यदि तेज हवा चल रही हो तो बीज को खेत में छिड़क कर ऊपरी मिट्टी में मिलाकर जल्द सिंचाई कर दें। ध्यान रहे कि बीज में कासनी व अन्य खरपतवार के बीज न हो।

बरसीम की पहली अच्छी कटाई लेने के लिए बरसीम के बीज के साथ-साथ 500 ग्राम जापानी सरसों या चीनी सरसों या जई का 10 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ काफी है। एक एकड़ में बिजाई के लिए लगभग 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। बिजाई के समय 22 किलोग्राम यूरिया और 175 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्केट प्रति एकड़ के हिसाब से खेत में डालें। यदि उपर्युक्त दोनों उर्वरक उपलब्ध न हों तो प्रति एकड़ 50 किलोग्राम डीएपी बिजाई के समय डाल सकते हैं। अगर यह खेत में पहली बार बीजी जा रही है तो राइजोबियम का टीका लगाना न भूलें। यदि बरसीम के साथ जई की मिश्रित फसल लेनी है तो 35 किलोग्राम अतिरिक्त यूरिया प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई के समय देनी चाहिए। तना गलन रोग से बचाव के लिए रोगरोधी किस्म हिसार बरसीम-1 या हिसार बरसीम-2 उगाएं। प्रस्तुति : अमित भारद्वाज, हिसार



डॉ. कृष्ण यादव
हरियाणा कृषि विधि में
संयुक्त निदेशक के
पद पर कार्यरत हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक २१. ७. २०२० पृष्ठ संख्या.....। कॉलम.....।

मंडे पौजिटिव ■ पार्षद अमित ग्रोवर व सद्ग्रावना संस्था ने खुद के खर्च पर रखा माली, ग्रीन बेल्ट को डिवेलप करने पर करीब 74 लाख का आएगा खर्च सेक्टर -13 के मेन रोड, सेक्टर 9-11 के मेन रोड और तोशाम रोड को भी विकसित करने का प्लान

भारतपत्र न्यूज़ | हिसार

सीएम सिटी करनाल की तर्ज पर हिसार के बाई 14 में पार्षद अमित ग्रोवर द्वारा सेक्टर 16-17 की मेन रोड को पाम रोड बनाया गया है। इस रोड पर सेकड़ों की संख्या में वाशिंगटना पाम और बोटल पाम लगाए गए हैं। शहर के ओपन रोड की बात करें तो यहाँ काइ ऐसा रोड नहीं है जो इसका मुकाबला कर सके। शहर का अब यह सबसे हांगामा और स्वच्छ रोड बनाया जा रहा है।

पार्षद अमित ग्रोवर ने बताया कि बाई को ग्रीन बनाने का आइडिया उन्हें एचएयू से मिला था। वहाँ पर लोग सुबह शाम शुद्ध हवा के लिए घूमने के लिए निकलते हैं। इसे देखकर उन्होंने बाना कि बाई में ऐसी व्यवस्था की जाए कि यहाँ के लोगों को भी ऐसी सुविधा मिले। उन्होंने पहले नार निमां अधिकारियों से बात कर हाउस में एजेंडा पास करवाया और पिछे खुद के पैरों और जनता के सहयोग से पौधे लगाकर आदर्श बाई बनाने की प्लानिंग की। यह शहर का आदर्श रोड होगा। इसकी ग्रीन बेल्ट को डिवेलप करने पर करीब 74 लाख रुपये का खर्च आएगा। 2.5 किलोमीटर रोड को एचएयू की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

पर लोग सुबह शाम शुद्ध हवा के लिए घूमने के लिए निकलते हैं। इसे देखकर उन्होंने बाना कि बाई में ऐसी व्यवस्था की जाए कि यहाँ के लोगों को भी ऐसी सुविधा मिले। उन्होंने पहले नार निमां अधिकारियों से बात कर हाउस में एजेंडा पास करवाया और पिछे खुद के पैरों और जनता के सहयोग से पौधे लगाकर आदर्श बाई बनाने की प्लानिंग की। यह शहर का आदर्श रोड होगा। इसकी ग्रीन बेल्ट को डिवेलप करने पर करीब 74 लाख रुपये का खर्च आएगा। 2.5 किलोमीटर रोड को एचएयू की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।



2.5 किलोमीटर रोड लंबे रोड पर फुल ग्रीनरी

तीन महीने से जुटे हैं समाजसेवी, गावड़िया ने सहारनपुर से पाम के पौधे मंगवाए। करनाल में रोड किनारे सरकार ने लालोंडी रुपये के पेड़ लगाए हैं। मेनेटेस भी सरकार करा रही है। लेकिन यहाँ पार्षद ने सद्ग्रावना संस्था के सदस्यों व समाजसेवी लोगों से संपर्क कर पेड़-पौधे लिए हैं। पार्षद पिछले 3 महीने से दिन-रात इस कार्य में लगे हैं। पिछले 2 महीने की मानदेव से स्थायी माली व पानी की व्यवस्था कर रहे हैं और स्वयं श्रमदान भी करते हैं। समाजसेवी गावड़िया ने सहारनपुर से पाम के पेड़ व दी गार्ड उपलब्ध करवाए हैं।



• ग्रीनरी बढ़ाने में इनका भी रहा योगदान

इस प्रोजेक्ट में नियम आयुक्त अमोक गग, विनोद बेनीवाल सरपंच, सुशील खर्टा, ऋषि देसी, रोकरा अग्रवाल, विलोक बंसल का विशेष योगदान रहा है। यहाँ फलों के अलावा पीपल, बड़ अन्य छायादार व आवधीय पौधे भी लगाने की प्लानिंग है।